



कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०, निर्माण खण्ड,
लोक निर्माण विभाग, कालसी

eepmgsykalsi@rediffmail.com

01360-275015

दिनांक: 28 / 05 / 2020

पत्र सं.: 438 / 22सी

कार्यालय आदेश

जिला देहरादून के अन्तर्गत विधान सभा क्षेत्र चकराता में पी०एम०जी०एस०वाई० के अन्तर्गत ऑनलाईन किये गये कथियान से डिस्नाड मोटर मार्ग प्रस्ताव सं० FP/UK/ROAD/34380/2018 वनभूमि प्रकरण के त्वरित गति से निस्तारण हेतु श्री वी०पी० उनियाल सहायक अभियन्ता को वनभूमि नोडल अधिकृत किया जा रहा है।

(इं० बी०सी० पन्त)
अधिशासी अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०, निर्माण खण्ड,
लो.नि.वि., कालसी

प्रतिलिपि:— निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:—

1. नोडल अधिकारी, वन संरक्षण, इन्दिरानगर फारेस्ट कालोनी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. अधीक्षण अभियन्ता, पी०एम०जी०एस०वाई० वृत्त, लो०नि०वि० मसूरी।
3. प्रभागीय वनाधिकारी, चकराता वन प्रभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून।

(इं० बी०सी० पन्त)
अधिशासी अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०, निर्माण खण्ड,
लो.नि.वि., कालसी

का नाम:-

जनपद देहरादून में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत कथियान से डिरनाड मोटर मार्ग निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव।

क्षतिपूरक वृक्षारोपण क्षेत्र की उपयुक्तता का प्रमाण पत्र (लम्बाई-7.500किमी०)

प्रमाणित किया जाता है कि जनपद देहरादून में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत कथियान से डिरनाड मोटर मार्ग के निर्माण हेतु अर्जित आरक्षित वन भूमि एवं सिविल भूमि जिसका क्षेत्रफल 3.0835 है० है, के हस्तान्तरण हेतु दुगुने क्षेत्रफल 6.1700 है० अनवरत सिविल भूमि ग्राम डिरनाड वृक्षारोपण हेतु उपयुक्त पाया गया है।

अपर सहायक अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०
नि०ख० लो०नि०वि०
कालसी

सहायक अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०
नि०ख० लो०नि०वि०,
कालसी

अधिशाली अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०
नि०ख० लो०नि०वि०
कालसी

उप-प्रभारी वन निरीक्षक
उप-प्रभारी वन निरीक्षक

उप-प्रभारी वन निरीक्षक

उप-प्रभारी वन निरीक्षक

उप-प्रभारी वन निरीक्षक

उप-प्रभारी वन निरीक्षक

उप-प्रभारी वन निरीक्षक

उप-प्रभारी वन निरीक्षक

उप-प्रभारी वन निरीक्षक

उप-प्रभारी वन निरीक्षक

उप-प्रभारी वन निरीक्षक

उप-प्रभारी वन निरीक्षक

उप-प्रभारी वन निरीक्षक

उप-प्रभारी वन निरीक्षक

उप-प्रभारी वन निरीक्षक

उप-प्रभारी वन निरीक्षक

उप-प्रभारी वन निरीक्षक

उप-प्रभारी वन निरीक्षक

उप-प्रभारी वन निरीक्षक

उप-प्रभारी वन निरीक्षक

उप-प्रभारी वन निरीक्षक

तहसीलदार
तहसीलदार
तहसीलदार

उप-प्रभारी वन निरीक्षक
उप-प्रभारी वन निरीक्षक
उप-प्रभारी वन निरीक्षक

जिलाधिकारी
देहरादून

Justification of Land

इस मोटर मार्ग निर्माण होने से स्थाई/अस्थायी रोजगार उत्पन्न होगा। ग्रामीण अपनी दैनिक जरूरतों का सामान आदि लेने नजदीक के बाजार में आ जा सकेंगे। इस मोटर मार्ग से 1800 जनसंख्या संयोजित हो रही है। ग्रामीण खेतों में पैदा होने वाली उपज को किसी भी नजदीकी बाजार में ले जाकर बेच सकेंगे एवं इससे देश की उत्पादकता में बढ़ोत्तरी होगी जिससे ग्रामीणों की आय बढ़ेगी। इस मोटर के निर्माण से उत्तराखण्ड के इस भाग में भी पर्यटन के अवसर पैदा होंगे जिससे स्थानीय निवासियों एवं सरकार की आमदनी होगी। इस गांव में यातायात की सुविधा न होने के कारण एवं सड़क न होने से बच्चें स्कूल न जाकर खेती-बाड़ी के कामों में लग जाते हैं। लेकिन मोटर मार्ग बनने स्थानीय बच्चे स्कूल पढ़ने के लिए अन्य स्थानों पर जा सकेंगे। जिससे देश में निर्माण में भागीदारी निश्चित कर सके एवं शिक्षा के स्तर में बढ़ोत्तरी होगी। इस मोटर मार्ग के बनने से ग्रामीणों को चिकित्सा सुविधा आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। जिससे एक स्वस्थ समाज का निर्माण होगा। मोटर मार्ग निर्माण से घर पर कार्य करने वाली गृहणी भी अपने घर का आवश्यक सामान आदि आसानी से उपलब्ध कराने में सक्षम होगी।

इस मोटर मार्ग के निर्माण से वन विभाग अक्सर आग लगने पर कम समय में आग पर काबू पा सकेंगे एवं यह मार्ग एक फायर लाइन का काम भी करेगी। मोटर मार्ग के निर्माण से वन विभाग अपनी वन सम्पदा की देख-रेख भी आसानी से कर सकेगा। यह एकमात्र समरेखण कम लम्बाई का है जिससे ग्राम डिरनाड जिनकी जनसंख्या को जोड़ा जा सकेगा तथा इस मोटर मार्ग से पिछड़े गांव के लोगों को देश की मुख्यधारा में लाया जा सकेगा। अतः इस मोटर के निर्माण की अत्यन्त आवश्यकता है जिसके लिये वन भूमि हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी।


अपर सहायक अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०
नि०ख० लो०नि०वि०
कालसी


सहायक अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०
नि०ख० लो०नि०वि०,
कालसी


अधिशायी अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०
नि०ख० लो०नि०वि०
कालसी


वन विभाग की सहायक
बाबरकोट रेंज
डिरनाड / कण्डोला


वन विभाग की सहायक
बाबरकोट रेंज
कालसी


प्रमोदनी वनाधिकारी
वन विभाग
कालसी (देवगढ़)

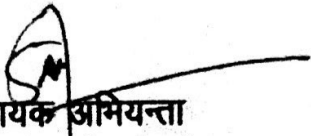
परियोजना का नाम:- जनपद देहरादून में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत कथियान से डिरनाड मोटर मार्ग के निर्माण में आने वाली वन भूमि (3.385 हे०) के सम्बन्ध में।

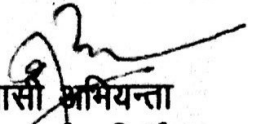
वैकल्पिक समरेखण निरस्त किये जाने का प्रमाण-पत्र

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (निर्माण खण्ड) कालसी के अन्तर्गत कथियान से डिरनाड मोटर मार्ग के (7.50 कि.मी.) स्टेज-। प्रथम के नव निर्माण में आने वाली वन भूमि (3.0835 हे०) हेतु प्रस्तावित है जिसकी ऑनलाईन प्रोजेक्ट संख्या P/UK/ROAD/34380/2018 है। उक्त मोटर मार्ग को कथियान मोटर मार्ग से 7.50 कि.मी. लम्बाई में जोड़ने हेतु वनभूमि प्रस्ताव गठित किया गया है। उक्त मोटर मार्ग के बनने से ग्राम डिरनाड के ग्रामीण मात्र 7.50 की दूरी में कथियान मार्ग से जुड़ते हैं। जिस कारण उन्हें राजकीय अस्पताल, उच्च शिक्षा एवं अन्य सुविधाओं का लाभ प्राप्त हो सकेगा।

ग्राम डिरनाड तक पूर्व में एक जीप रोड बनी हुयी है जिस हेतु इसी समरेखण का ग्रेड सुधार कर पी०एम०जी०एस०वाई० द्वारा मार्ग बनाया जायेगा। इस मोटर मार्ग पर ही समरेखण ले जाने से वृक्षों का पातन भी कम से कम हो रहा है। यदि अन्य वैकल्पिक मार्ग हेतु नया समरेखण का प्रस्ताव गठित किया जाता है तो प्रक्रिया में काफी समय लगेगा जिस हेतु कम से कम 2 से 3 माह भी लग सकते हैं तथा नये प्रस्ताव को पुनः ऑनलाईन करना पड़ेगा।

उपरोक्त तथ्यों के क्रम में ही वैकल्पिक समरेखण को निरस्त किया गया है।


सहायक अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०, निर्माण खण्ड,
लो०नि०वि०, कालसी


अधिशाली अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०, निर्माण खण्ड,
लो०नि०वि०, कालसी

कार्यालय-प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून।

85-राजपुर रोड, देहरादून।

पत्रांक-972/3-5-2 देहरादून दिनांक 21 नवम्बर, 2017

सेवा में,

समस्त क्षेत्रीय प्रभागीय वनाधिकारी,
उत्तराखण्ड।

विषय- वन भूमि हस्तान्तरण प्रकरणों के सापेक्ष देय धनराशियों के निर्धारण के सम्बन्ध में।

संदर्भ-प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड की पत्र संख्या-590/3-5-2 दिनांक 19-08-2015

महोदय,

वन भूमि पर प्रस्तावित विभिन्न विकास परियोजनाओं के निर्माण हेतु वन भूमि हस्तान्तरण के प्रकरणों में भारत सरकार, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा नैर वानिकी कार्य हेतु प्रस्तावित की जानी वाली वन भूमि के एवज में समतुल्य गैर वन भूमि अथवा दुगने अवनत वन भूमि पर क्षतिपूर्क वृक्षारोपण की शर्त लगाई जाती है। इसके अतिरिक्त पारखण लाईन के नीचे बौनी प्रजातियों के वृक्षों के रोपण वन भूमि पर प्रस्तावित मोटर मार्गों के दोनों ओर पथ वृक्षारोपण 100/10 से कम के प्रकरणों में रिक्त पड़े स्थानों पर उचित वृक्षारोपण एवं प्रभावित होने वाले वृक्षों की दस गुनी संख्या में वृक्षारोपण तथा उसके 10 वर्षों तक रख-रखाव एवं गलती निरस्तारण स्थलों के उपचार हेतु उचित वृक्षारोपण आदि की शर्त लगाई जाती है। उक्त वृक्षारोपण कार्य हेतु उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी आदेश संख्या-एन-642/14-1/627/69 दिनांक 30-11-1989 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुसार प्रत्येक वर्ष वृक्षारोपण हेतु दरे को निर्धारित किया गया था जिसमें प्रति वर्ष दरे में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी का प्रावधान भी था।

2- प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड के उपरोक्त संदर्भित पत्र द्वारा कांभार वृक्षारोपण बौनी प्रजातियों के वृक्षों के रोपण मोटर मार्गों के दोनों ओर पथ वृक्षारोपण एवं पारखण लाईन पर पथ वृक्षों के वृक्षारोपण की दरे वसूली वर्ष 2017-18 तक निर्धारित की गयी है। अब वर्ष 2018-19 से वर्ष 2020-21 तक क्षतिपूर्क वृक्षारोपण की दरे को शासनादेश दिनांक 30-11-1989 में उल्लिखित व्यवस्था के अनुसार निम्न प्रकार पुन निर्धारण किया जाता है-

वित्तीय वर्ष	क्षतिपूर्क वृक्षारोपण की दर प्रति हे० (रु० में)	बौनी प्रजाति का वृक्षारोपण प्रति हे० (रु० में)	रोड साइड वृक्षारोपण की प्रति कि०मी०। (रु० में)	रिक्त पड़े स्थानों/100 वृक्षों का वृक्षा० (रु० में)
2018-19	2,78,865.00	2,78,865.00	4,17,627.00	1100.00 प्रति वृक्ष
2019-20	3,06,531.00 ✓	3,06,531.00	4,59,610.00	1210.00 प्रति वृक्ष
2020-21	3,37,184.00	3,37,184.00	5,05,571.00	1331.00 प्रति वृक्ष

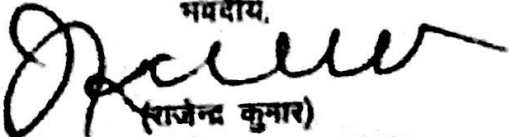
अतः उपरोक्त तालिका के वित्तीय वर्ष के अनुसार प्रयोक्ता एजेन्सी से धनराशि जमा करायी जाय, परन्तु यदि प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा उपरोक्त उल्लिखित वित्तीय वर्ष में निर्धारित दरे के अनुसार धनराशि जमा करायी जा चुकी हो, तो उनसे बकाया धनराशि वसूल करने की आवश्यकता नहीं है।

संख्या नं-972/3-5-2 दिनांकित।

निम्नलिखित निम्नलिखित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

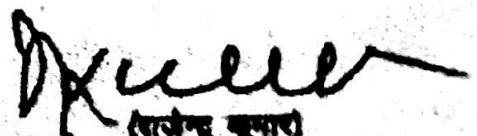
1. ऊपर प्रमुख वन संरक्षक(केन्द्रीय) भारत सरकार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, क्षेत्रीय कार्यालय, 25-सुभाष रोड, देहरादून।
2. प्रमुख वन संरक्षक/अपर प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड।
3. प्रमुख वन संरक्षक, गढ़वाल/कुमायूँ/सिमांतिक जे०, उत्तराखण्ड।
4. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड।

भवदीय,



(राजेंद्र कुमार)

प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड



(राजेंद्र कुमार)

प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड



कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
पी०एमजी०एस०वाई०, निर्माण खण्ड,
लो०नि०वि०, कालसी

Email:-
eeprngsykalsi@rediffmail.com
Tel:- 01360-275015

पत्र सं०: 438 / 22सी
सेवा में,

दिनांक 12/06/2020

प्रभागीय वनाधिकारी,
चकराता वन प्रभाग, चकराता।

विषय:- जनपद देहरादून में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत कथियान से डिरनाड मोटर मार्ग के निर्माण (लम्बाई 7.500 कि.मी.) हेतु 3.0835 हे० हेतु वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के अन्तर्गत वनभूमि प्रत्यावर्तन का प्रस्ताव।

संदर्भ:- FP/UK/ROAD/34380/2018 दिनांक 26.06.2018 तथा इ.डी.एस. आपत्ति दिनांक 13.05.2020।
महोदय,

उपरोक्त मोटर मार्ग की आपत्तियों का निराकरण निम्न अनुसार किया जा रहा है:

क्र. सं.	आपत्ति	निराकरण
1.	In reply to point no. 1, CA site suitability certificate still not found uploaded.	CA site suitability certificate uploaded in additional information sr. no.
2.	In reply to point no. 4, justification submitted by the State Govt. seems not satisfactory. State Govt. is requested to submit revised proposal up to point no. 22 (as per digital map).	Justification सही कर पुनः upload कर दिया गया है चूंकि यह मार्ग पूर्व में निर्मित एल०वी०आर० में ही बनाया जा रहा है जिस पर केवल चौड़ीकरण ही हमारे द्वारा किया जाना प्रस्तावित है जिस हेतु वनभूमि प्रस्ताव गठित किया गया है। मोटर मार्ग के कि.मी. 3.03 अर्थात् Geo reference map के बिन्दु सं० 16 तक reserve forest तथा कुछ भाग में सिविल सोयम भूमि आ रही है, तत्पश्चात शेष भाग में अधिकतर नाप भूमि आ रही है जिस कारण प्रस्ताव को बिन्दु सं० 40 तक बनाया गया है, चूंकि डिरनाड गांव की अधिकांश आबादी बिन्दु सं० 30 से 40 के मध्य निवास करती है।
3.	In reply to point no. 5, location of village Dimad still not marked in the KML file.	डिरनाड गांव की लोकेशन kml file में अंकित कर दी गयी है।
4.	In reply to point no. 6, no correction made by the State Govt. Shape of digital map and KML file of CA area are still not matching.	Shape of digital map and KML file का area मैच करा दिया गया है।
5.	In reply to point no. 7, neither revised CA scheme nor any justification submitted by the State Govt.	Revised CA scheme को रु. 2,78,665.00 मात्र प्रति हे० की दर से बनाया गया है जिसमें प्रमुख वन संरक्षक उत्तराखण्ड महोदय के पत्रांक सं० 972/3-5-2/देहरादून दिनांक 21 नवम्बर 2017 के अनुसार बनाया गया है तथा justification of land को पृष्ठ सं० पर अपलोड कर दिया गया है।
6.	In reply to point no. 9, details of muck dumping area still not added in non forest land column at para B 2.3 in part I.	Muck dumping area has been added in non forest land column at para B 2.3. in Part I.
7.	In reply to point no. 10, it is seen that area of muck dumping sites comes to 0.86 ha instead of 0.597 ha proposed in non forest land.	प्रयोक्ता एजेन्सी द्वारा कुल 1.57 हे० non forest land में as muck disposal चयन किया हुआ है जिसमें से केवल 0.597 हे० भूमि को ही muck disposal हेतु प्रस्तावित किया गया है। यदि भविष्य में muck अत्यधिक मात्रा में निकलता है, शेष (1.57-0.597 हे० = 0.973 है) में muck disposal किया जायेगा।
8.	In reply to point no. 11, still benefits of road mentioned instead of reason for locating the project in forest land in the justification uploaded at para D in part I.	Justification for locating project in forest land uploaded at para-D (i) of Part-I satisfactoy

Contd. Pg. 2

9.	In reply to point no. 11, it is also mentioned in justification that one jeep road is already constructed. State Govt. may clarify, if any approval under FCA has already been obtained for construction of jeep road?	Justification सही कर पुनः upload कर दिया गया है चूंकि यह मार्ग पूर्व में निर्मित एलवीआर में ही बनाया जा रहा है जिस पर केवल चौड़ीकरण ही हमारे द्वारा किया जाना प्रस्तावित है जिस हेतु वनभूमि प्रस्ताव गठित किया गया है।
10.	In reply to point no. 12 & 13, no correction made by the State Govt.	प्रमाणीय वनाधिकारी स्तर से किया जाना है।

पत्र सं०: /
प्रतिलिपि:-

अपर प्रमुख वन संरक्षक एवं नोडल अधिकारी, इन्दिरानगर, फॉरेस्ट कालोनी, एफ.आर.आई., देहरादून को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु सादर प्रेषित।

अधिशाली अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०, निर्माण खण्ड
लो०नि०वि०, कालसी
दिनांक: / /2020

अधिशाली अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०, निर्माण खण्ड
लो०नि०वि०, कालसी